2008 बीजिंग ओलिम्पिक, एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक

बीजिंग 2008 ओलंपिक में एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक

श्री अभिनव बिंद्रा

भारतीय निशानेबाज श्री अभिनव बिंद्रा ने एक व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीत कर इतिहास रचा। श्री बिंद्रा ने खिताब के लिए 700.5 अंक प्राप्त कर 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में चीन के झू किनान, एथेंस 2004 के स्वर्ण पदक विजेता को पराजित किया। श्री बिंद्रा द्वारा 2006 में विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त करने के बाद से ही उन्हे ओलंपिक में पदक के लिए मजबूत प्रतियोगी माना जा रहा था। सरकार ने उन्हें भारत में और विदेशों में एक समर्पित कोच के तहत उनके व्यक्तिगत प्रशिक्षण के लिए 35.00 लाख रुपये की राशि की वित्तीय सहायता दी थी। इससे पहले भी सरकार ने उन्हें 4-5 साल की अवधि में लगभग 60 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी थी।

श्री विजेंदर कुमार

श्री विजेंदर कुमार ने ओलंपिक में सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाले पहला भारतीय मुक्केबाज बन कर और मिडिल वेट वर्ग में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। 22 वर्षीय विजेंदर के खेल में दोहा में आयोजित एशियाई खेलों में कांस्य पदक और उलानबातार, मंगोलिया में एशियाई चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने से लेकर अभी तक काफी सुधार हुआ है। उनमें विश्वास और सतर्क रह कर लड़ने की क्षमता है। वे एक ऐसे मुक्केबाज हैं जो विरोधियों से निपटने के लिए केवल शारीरिक सामर्थ्य पर निर्भर न रह कर अपनी बुद्धि का उपयोग भी करता है ।

श्री सुशील कुमार

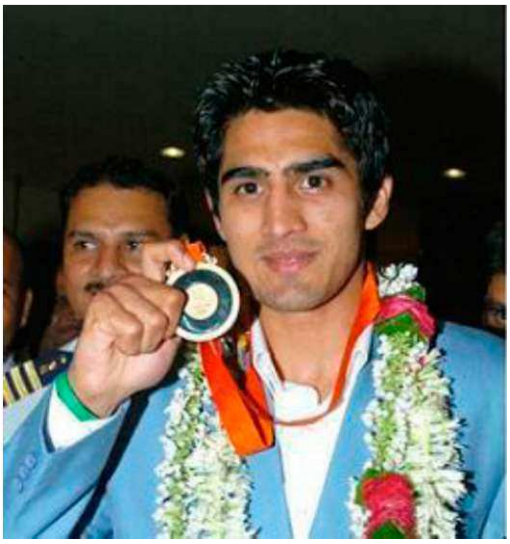

सुशील कुमार ने कुश्ती में 66 किग्रा फ्रीस्टाइल में कांस्य पदक जीता। जब फ्रीस्टाइल पहलवान सुशील कुमार पहले दिन हार गए तो सारी आशाओं पर पानी फिर गया। लेकिन जब उनसे विजेता, यूक्रेन के एंड्री स्टैड्निक, स्वर्ण पदक राउंड में पहुँच गए तो उनसे फिर से उम्मीद बंध गई क्योंकि वे अब रेपेचेज में लड़ सकते थे। उन्होंने निराश नहीं किया। उन्होंने सभी तीन रेपेचेज मुकाबलों को जीत कर भारत के लिए दूसरा ओलंपिक पदक जीता।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय 57 सदस्य वाले पूरे भारतीय दल के विशिष्ट व्यक्तिगत प्रशिक्षण और उनकी अन्य आवश्यकताओं के लिए भरसक सहायता दे रहा है ताकि उन्हें चल रहे ओलंपिक खेलों के लिए तैयार किया जा सके। इनमें

निशानेबाजी की खेल विधा को सर्वाधिक सहायता दी जा रही है जिसे ओलंपिक योग्य खिलाड़ियों के लिए मंजूर 7.00 रुपये करोड़ में से 3.0 करोड़ रुपए की सहायता प्राप्त हुई है।

मंत्रालय द्वारा पूरे दल के लिए मंजूर की गई परिसंघवार सहायता का ब्यौरा इस प्रकार है:

खेल विधा	**अनुमोदित सहायता**
निशानेबाज़ी	3 करोड़ रु
तैराकी	17.50 लाख रु
रौइंग	33.75 लाख रु
जूडो	6.0 लाख रु
लान टेनिस	66 लाख रु
मुक्केबाज़ी	1.03 करोड़ रु
बैडमिंटन	12.50 लाख रु
भारोतोलन	3.27 लाख रु
एथलेटिक्स	44.37 लाख रु
कुश्ती	64.28 लाख रु
तीरंदाज़ी	14.0 लाख रु
याटिंग	8.60 लाख रु
टेबल टेनिस	1.30 लाख रु
कुल	6.75 करोड़